सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, बिहार
प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–cm-195
17/04/2017

स्वतंत्रता सेनानियों को किया गया सम्मानित

पटना, 17 अप्रैल 2017 :– मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने आज श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल में अखिल भारतीय स्वतंत्रता सेनानी सम्मान समारोह में राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी का अभिनंदन किया। इस अवसर पर समारोह को संबोधित करते हुये मुख्यमंत्री ने कहा कि आज से सौ वर्ष पूर्व महात्मा गॉधी 10 अप्रैल को मुजफ्फरपुर पहुॅचे थे। राजकुमार शुक्ल जी के निरंतर प्रयास के बाद गॉधी जी चम्पारण आये थे और राजकुमार शुक्ल जी से उन्होंने कहा था कि स्वयं आकर किसानों की स्थिति का अध्ययन करने पर ही मैं अपनी बात रखूॅगा। तब बिहार के चम्पारण जिले में नील की खेती करने वाले किसानों पर बगान मालिकों एवं नीलहों का अत्याचार अनवरत जारी था। दक्षिण अफ्रीका में रंगभेद के खिलाफ सत्याग्रह का सफर तय कर चुके गॉधी जी के सत्याग्रह से लोग परिचित थे। बगान मालिकों और नीलहों के मन में यह भय सता रहा था कि गॉधी जी एक सफल सत्याग्रही हैं। तब के दौर में पत्रकारिता राष्ट्रीय और अंग्रेजी मानसिकता के दो खेमों में बॅटे हुये थे। राष्ट्रवादी सोच वाले समाचार पत्रों में गॉधी जी की सत्याग्रह और उनके गतिविधियों को प्रकाशित की जाने लगी। मोतिहारी में एस0डी0ओ0 कोर्ट में 18 अप्रैल 1917 को गॉधी जी ने अपना जुर्म कबूल किया और बाहर न जाने का फैसला किया। उन्होंने कहा कि यह उनकी अंतर्रात्मा की आवाज है। उनकी अटल दृढ़निश्चय, विश्वास और लोकप्रियता के कारण गॉधी जी को बिना जमानत के छोड़ना पड़ा और मुकदमा भी वापस लेना पड़ा। बाद में एक जॉच कमिटी बनायी गयी। गॉधी जी इसमें एक सदस्य के रूप में थे और तमाम दस्तावेज के आधार पर अंततोगत्वा घृणित तीनकठिया प्रथा की समाप्ति हुयी। सफल सत्याग्रह की नींव बिहार के चम्पारण में रखी जा चुकी थी। नीलहों के अत्याचार से किसानों को मुक्ति मिली। 1917 के चम्पारण सत्याग्रह ने जन आन्दोलन का स्वरूप ग्रहण किया। आगे आने वाले असहयोग आन्दोलन, सविनय अवज्ञा आन्दोलन को बल मिला। चम्पारण सत्याग्रह से आजादी की लड़ाई को नई गति तथा नई दिशा मिली और महज 30 साल के अंदर ही देश आजाद हो गया। 10 एवं 11 अप्रैल को पटना में नवनिर्मित ज्ञान भवन में राष्ट्रीय विमर्श का आयोजन किया गया, जिसमें पूरे देश के गॉधी विचारक शामिल हुये और अपने–अपने विचार रखे। दो दिन तक चले इस राष्ट्रीय विमर्श में आये विचारकों के विचारों का संकलन कर मुद्रित किया जायेगा, जो आज की पीढ़ी और आने वाली पीढ़ी के लिए ज्ञानवर्द्धक और प्रेरणादायी होगा। टकराव और असहिष्णुता के माहौल में गॉधी जी के विचार आज भी प्रासंगिक हैं। चम्पारण सत्याग्रह के सौ वर्ष पूरे होने पर आजादी के लिये लड़ने वाले देश के कोने–कोने से आये स्वतंत्रता सेनानियों को सम्मानित करना गौरव की बात है, इसके लिये हम अखिल भारतीय स्वतंत्रता सेनानी के सचिव श्री सत्यानंद याजी को धन्यवाद देते हैं। आपलोग सभी बापू की कर्मभूमि में पधारे हैं। शताब्दी समारोह कार्यक्रम को लेकर मैंने गॉधीवादी विचार संगठनों से परामर्श किया, सर्वदलीय बैठक बुलायी। यह कार्यक्रम राजनीतिक उद्देश्य से आयोजित कार्यक्रम नहीं है बल्कि राज्य सरकार का यह दायित्वपूर्ण कार्य है। ये कर्तव्य के प्रति जागरूकता का द्योतक है। हमारा कर्तव्य है कि उन स्वतंत्रता सेनानियों को सम्मानित कर कृतज्ञ हों, जो जंगे आजादी की लड़ाई में भागीदार बने। देश के कोने–कोने से आये स्वतंत्रता सेनानियों का यहॉ आना एक महत्वपूर्ण

क्षण है। सौ वर्ष बाद बापू को याद करने का एक अच्छा अवसर है। यह आयोजन सांकेतिक नहीं है। 12 अप्रैल से प्रचार वाहन 'गॉधी रथ' प्रत्येक पंचायतों में घूम–घूमकर फिल्म, गीत, वृत्तचित्र के माध्यम से गॉधी जी के विचारों को जन–जन तक पहुॅचायेगी। स्कूलों में प्रार्थना के बाद प्रतिदिन गॉधीजी से संबंधित कहानी सुनाई जायेगी। गॉधी जी के विचारों को सभी लोग जानते हैं, सबके मन में उनके प्रति आदर का भाव है, उनके विचारों को आत्मसात कीजिये। हमारा मानना है कि अगर नई पीढ़ी का दस प्रतिशत भी गॉधी जी के विचारों के प्रति आकर्षित हो जाय तो आने वाले 10 से 15 साल में समाज बदल जायेगा। गॉधी जी से जुड़े ऐतिहासिक स्थलों को पुनर्जीवित किया जायेगा। कुछ लोगों द्वारा बिहार के बाहर गलत छवि पेश की जाती है। यहॉ प्रकाश पर्व, शराबबंदी और चम्पारण सत्याग्रह का आयोजन सौहार्दपूर्ण वातावरण का परिचायक है। शराबबंदी कानून से नहीं बल्कि जन चेतना के परिणामस्वरूप सफल हो रहा है। मानव श्रृंखला इसी जनभावना का प्रकटीकरण है। समाज सुधार के अन्य पहलुओं बाल विवाह, दहेज प्रथा के विरूद्ध भी अभियान चलाया जायेगा। मुख्यमंत्री ने एक बार फिर राष्ट्रपति एवं देश के कोने–कोने से आये स्वतंत्रता सेनानियों के प्रति आभार प्रकट किया।

इसके पूर्व समारोह का दीप प्रज्ज्वलित कर उद्घाटन किया गया। गॉधी जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी गयी। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने राष्ट्रपति को अंगवस्त्र एवं प्रतीक चिह्न भेंट किया। इस अवसर पर राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी, राज्यपाल श्री रामनाथ कोविंद, उप मुख्यमंत्री श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, कॉग्रेस उपाध्यक्ष श्री राहुल गॉधी, सांसद श्री वशिष्ठ नारायण सिंह, राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री लालू प्रसाद यादव, शिक्षा मंत्री श्री अशोक चौधरी, सी0पी0आई0 के राज्य सचिव श्री सत्यनारायण सिंह, अखिल भारतीय स्वतंत्रता सेनानी संघ के सचिव श्री सत्यानंद याजी, सभी विधायकगण, विधान पार्षदगण, पदाधिकारी उपस्थित थे।

राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी ने देश के सभी राज्यों से आये स्वतंत्रता सेनानियों को सम्मानित किया। सम्मान स्वरूप उन्हें शॉल, प्रतीक चिह्न के रूप में गॉधी जी की मूर्ति भेंट की गयी।

पटना पहुॅचने पर हवाई अड्डा पर राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी का राज्यपाल श्री रामनाथ कोविंद एवं मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने फूलों का गुलदस्ता भेंटकर स्वागत किया।

******